हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'दलित' शब्द का आशय स्पष्ट करते हुए दलित साहित्य की अवधारणा पर प्रकाश डालिए । *10*

2. दलित चिंतन में विचारधारा के प्रभाव का विवेचन कीजिए । *10*

3. दलित साहित्य के उद्‌भव एवं विकास में अम्बेडकरवादी वैचारिकी का क्या महत्त्व है ? सोदाहरण विवेचना कीजिए । *10*

4. ज्योतिबा फुले के नारी उत्थान एवं स्त्री शिक्षा संबंधी योगदान की समीक्षा कीजिए । *10*

5. " 'हिन्दू कोड बिल' भारतीय हिन्दू स्त्री के प्रगति और उसके अधिकार का संवैधानिक कानून है ।" विवेचना कीजिए । *10*

6. स्वामी अछूतानंद के रचनात्मक अवदान की समीक्षा कीजिए । *10*

7. प्रेमचंद की कहानियों में अभिव्यक्त दलित संवेदना का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए । *10*

8. दलित आत्मकथाओं के महत्त्व पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । *10*

9. स्त्री मुक्ति संबंधी पेरियार के विचारों की समीक्षा कीजिए । *10*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) नागार्जुन का रचना-संसार और दलित जीवन

(ख) 'अछूत की शिकायत' कविता का मूल्यांकन

(ग) निराला का दलित चिंतन

(घ) नारायण गुरु के चिंतन में स्त्री मुक्ति चेतना